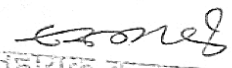


16/11/22

वकुलाप ममीनेन उपाध्याय ।
अपणपद की वरुण दुनी जरी ।
कुल बाद में चारे मिले हूँ
वाउण्ड अग्रिमि उरी जारी कर
विभाजन उहाव संगवणा गञ्जा ही
वर्तमान में उपाय हूँ या भाग्य ।
अपण के पल में नती होने पर
वैनेन दोषणीय नती होने से
नती कर पर वारण विद्या
गता ही प्रजापती प्रकृत उमाए लेण्ट
हादिकल वमन ही


सहायक कलेक्टर
(फारट ट्रेक)
बाडमेर